सिखाने तथा प्रचार करने के लिए सहायता

डेविड रोपर

दाऊद का जीवन

1. 1 शमू. 16 .... दाऊद का प्रारम्भिक जीवन
2. 1 शमू. 17 .... दाऊद और गोलियत
3. 1 शमू. 17–23; 2 शमू. 1 .... दाऊद और योनातन
4. 1 शमू. 18–23 .... दाऊद एक भगौड़े के रूप में
5. 1 शमू. 24–26; 2 शमू. 1 .... दाऊद का शाऊल को छोड़ना
6. 1 शमू. 27–2 शमू. 2 .... पलिश्तीन में दाऊद के सोलह महीने
7. 2 शमू. 2–6:23; 1 इति.11–14 .... राजा के रूप में दाऊद के प्रारम्भिक दिन
8. 2 शमू. 6; 7; 1 इति. 13; 15–17; 22; 28......... दाऊद और परमेश्वर का संदूक
9. 2 शमू. 8–12; 21; 23;
   1 इति 11; 18–20; 23–27 .... राजा के रूप में दाऊद की सफलता
10. 2 शमू. 11; 12 .... दाऊद और बतशेबा
11. 2 शमू. 11–16; 18 .... बतशेबा के साथ पाप के बाद दाऊद की मुश्किलें
12. 2 शमू. 15–20....................................... दाऊद और परमेश्वर का अनुशासन
13. 2 शमू. 21–24; 1 राजा 1; 2; 1 इति. 20–29 .... दाऊद के अंतिम दिन

दाऊद का वंश वृक्ष

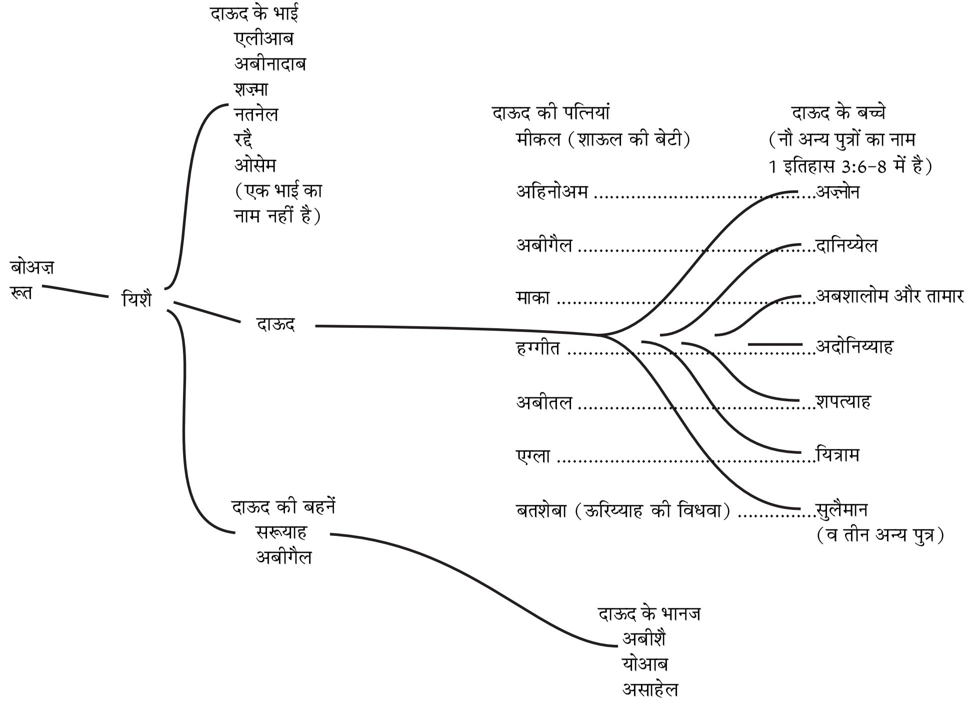
दाऊद के भाई
एलीआब
अबीनादाब
शज़्मा
नतनेल
रद्दै
ओसेम
(एक भाई का नाम नहीं है)
बोअज़
रूत
यिशै
दाऊद
दाऊद की बहनें
सरूयाह
अबीगैल
दाऊद के भानज
अबीशै
योआब
असाहेल
दाऊद की पत्नियां
मीकल (शाऊल की बेटी)
अहिनोअम
अबीगैल
माका
हग्गीत
अबीतल
एग्ला
बतशेबा (ऊरिय्याह की विधवा)
दाऊद के बच्चे
(नौ अन्य पुत्रों का नाम 1 इतिहास 3:6–8 में है)
अज़्नोन
दानिय्येल
अबशालोम और तामार
अदोनिय्याह
शपत्याह
यित्राम
सुलैमान
(व तीन अन्य पुत्र)

दाऊद का परिवार

दाऊद की माता। बाइबल में दाऊद की माता के कुछ ही हवाले हैं, और उसका नाम कहीं नहीं दिया गया है। यह विचार कि दाऊद के जीवन को बताने के लिए छियासठ अध्याय हैं, आश्चर्यजनक लगता है। यह इस अनुमान को जन्म देता है कि उसके साथ कोई कलंक होगा।

दाऊद ने जब वह भगौड़ा था, अपनी माता और पिता को मोआब के राजा के पास रखा था (1 शमू. 22:3), इसलिए कुछ लोगों का सुझाव है कि यिशै ने अपने दादा बोअज़ की तरह ही किसी मोआबिन स्त्री से विवाह कर लिया होगा।

एक और अनुमान भजन 51 की इस जटिल बात पर केन्द्रित है: ''देख, मैं अधर्म के साथ उत्पन्न हुआ, और पाप के साथ अपनी माता के गर्भ में पड़ा'' (आयत 5)। कैल्विनवादी शिक्षा देने वाले टोटल हेयरडिटरी डिप्रेविटी की शिक्षा के लिए इसे सबूत मानते हैं, परन्तु बाइबल सिखाती है कि हम ''पाप में जन्म'' *नहीं* लेते अर्थात हर मनुष्य अपने ही पापों के लिए जिज़्मेदार है न कि अपने पूर्वजों के, जिसमें आदम भी शामिल है (सभो. 7:29; यहेज. 18:4, 19, 20; जक. 12:1; मज़ी 18:3; 19:14; प्रेरितों 17:29; रोमि. 2:6; 1 कुरि. 14:20; 2 कुरि. 5:10; गला. 6:5; इत्यादि)। दाऊद जन्म के समय अपने पाप से भरे होने की नहीं बल्कि उस माहौल की बात कर रहा था जिसमें वह गर्भ में पड़ा और पैदा हुआ था। शज़्द पापपूर्ण संसार का एक काव्य ढंग हो सकते हैं, परन्तु ''पाप के साथ अपनी माता के गर्भ में पड़ा'' शज़्दों का अर्थ अस्पष्ट है। यह भजन व्यभिचार के पाप के बारे में नहीं है जिसमें दाऊद कह रहा हो कि उसकी मां उस पाप की दोषी थी? कुछ लोगों का मत है कि दाऊद परिवार के दूसरे लोगों की नज़र में अवैध, अनचाहा, झंझट में डालने वाला बच्चा था।

हो सकता है कि हम दाऊद की माता के रहस्य को कभी न जान पाएं, परन्तु इस बात का हर संकेत है कि वह उसके लिए प्रिय थी और वह उसकी देखभाल करता था (1 शमू. 22:3; 2 शमू. 19:37)।

दाऊद की बहनें। दाऊद की दो बहनें थीं, सरूयाह (या जरूयाह) और अबीगैल, और उनके बच्चों के नाम 1 इतिहास 2:16, 17 में हैं। सरूयाह के एक पुत्र का नाम योआब था। जब अबीगैल (या अबीगल) का उल्लेख 2 शमूएल 17:25 में हुआ तो उसे सरूयाह की बहन के रूप में दिखाया गया (जिसका योआब नामक बेटा था)। यह कहा गया है कि वह यिशै के बजाय ''नाहाश की बेटी'' थी। इस पर कई व्याज़्याएं दी गई हैं: (1) ''नाहाश'' यिशै का ही दूसरा नाम था। (2) ''नाहाश'' यिशै की एक पत्नी का नाम था। (3) यिशै ने एक विधवा से विवाह किया था जिसकी दो बेटियां थीं जिसका पहले नाहाश नामक किसी आदमी से विवाह हुआ था। इसके बारे में स्पष्ट जानकारी बहुत कम मिलती है।

परिवार के दूसरे लोगों के साथ दाऊद का सज़्बन्ध। सब अनुमानों से यह सज़्भव है कि दाऊद सब का या कुछेक का सौतेला भाई था। यह इस बात को समझने के लिए सहायक हो सकता है कि वह एक बाहरी व्यज़्ति की तरह ज़्यों था।

समलैंगिक प्रेमी?

यह सिद्ध करने का प्रयास करने वाले कि परमेश्वर समलैंगिकता को स्वीकार करता है बाइबल में से समलैंगिक प्रेमियों के उदाहरण के लिए दाऊद और योनातन का नाम बताते हैं। प्रमाण के लिए, वे (1) दोनों की निकटता; (2) दाऊद के लिए योनातन का "प्यार" (1 शमू. 18:1, 3); (3) यह कि उन्होंने एक दूसरे को चूमा था (1 शमू. 20:41); (4) योनातन के शोक गीत में दाऊद का यह कथन कि "तेरा प्रेम मुझ पर अद्‌भुत, वरन स्त्रियों के प्रेम से भी बढ़कर था" (2 शमू. 1:26) की ओर ध्यान दिलाते हैं।

दोनों का सज़्बन्ध बड़ा घनिष्ट था, परन्तु ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि वे "समलैंगिक" थे बल्कि अधिक प्रमाण तो यही है कि वे "स्पष्टवादी" थे। दोनों विवाहित थे तथा दोनों के बच्चे थे (1 इति. 3:1-9; 9:40)। दाऊद के लिए योनातन का "प्यार" इब्रानी शज़्द *aheb* था, जो पति या पत्नी के प्रेम के लिए ही नहीं (उत्पज़ि 24:67), बल्कि बच्चे के लिए (उत्पज़ि 22:2), भोजन के लिए (उत्पज़ि 27:4), परमेश्वर के लिए (निर्ग. 20:6) या पड़ोसी के लिए (लैव्य. 19:18) भी इस्तेमाल किया जाता था। इस शज़्द में समलैंगिकता का कोई स्वर नहीं था।

उन दिनों चुज़्बन लेना आज के हाथ मिलाने की तरह ही अभिवादन करने का सामान्य ढंग था (रोमियों 16:16)। आज भी संसार के बहुत से भागों में गाल पर चुज़्बन लेकर अभिवादन करना सामान्य बात है।

दाऊद के लिए योनातन का प्यार "स्त्रियों के प्रेम से भी बढ़कर था" ज़्योंकि उनका प्रेम *नि: स्वार्थ* था। दाऊद का मित्र बनकर योनातन का फायदा नहीं बल्कि नुज़्सान ही हुआ था। इससे दाऊद विस्मित था।

समलैंगिकता के बारे में बाइबल ज़्या सिखाती है, जानने के लिए उत्पज़ि 13:13; 19:5-11; लैव्यव्यवस्था 18:22; 20:13; न्यायियों 19:22-28; 1 राजा 14:24; 15:12; 22:46; 2 राजा 23:7; रोमियों 1:18-32; 1 कुरिन्थियों 6:9-12; गलातियों 5:19-21; 1 तीमुथियुस 1:9, 10; यहूदा 7 पढ़ें।

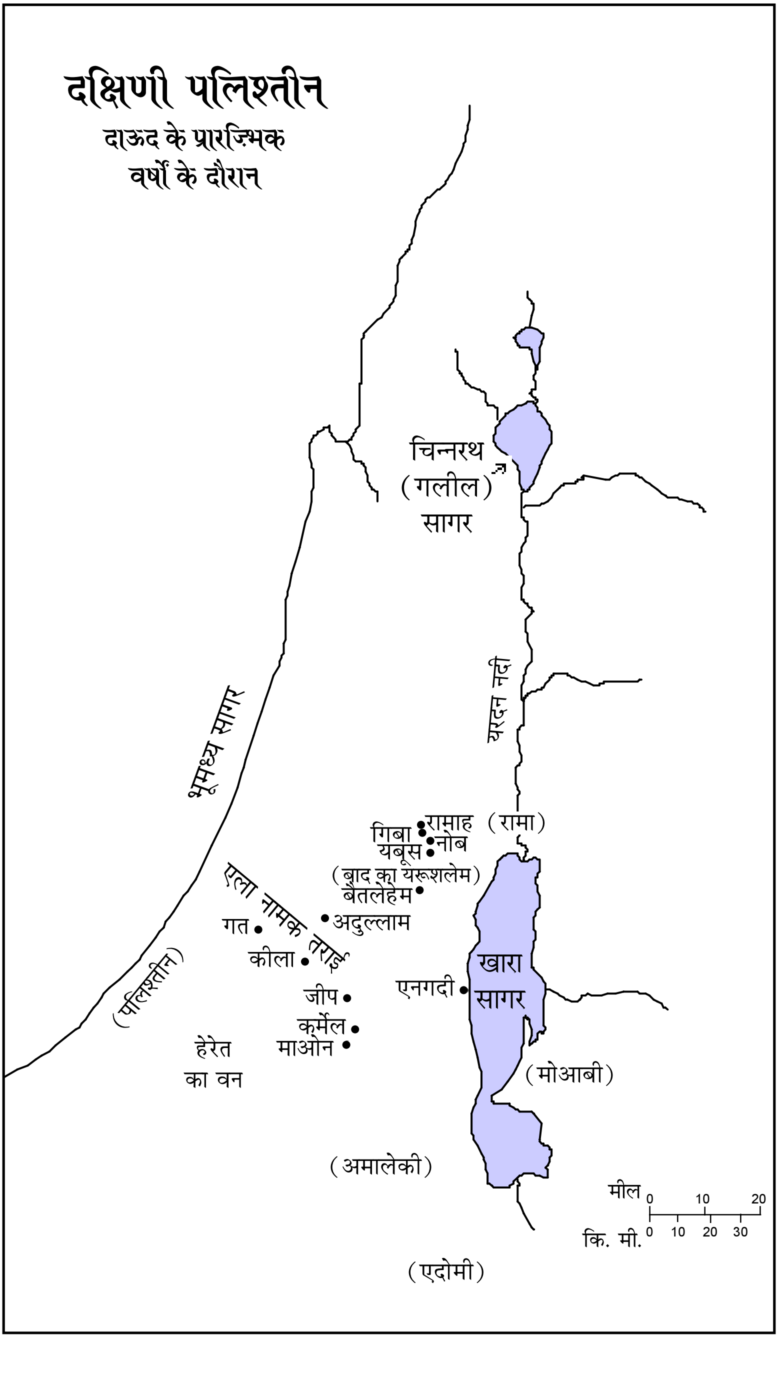
दक्षिणी पलिश्तीन
दाऊद के प्रारम्भिक वर्षों के दौरान
चिन्नरथ (गलील) सागर
यरदन नदी
भूमध्य सागर
रामाह
(रामा)
गिबा
नोब
यबूस
(बाद का यरूशलेम)
बैतलेहेम
एला नामक तराई
अदुल्लाम
गत
कीला
(पलिश्तीन)
खारा सागर
एनगदी
जीप
कर्मेल
माओन
हेरेत का वन
(मोआबी)
(अमालेकी)
(एदोमी)
मील 0 10 20
कि. मी. 0 10 20 30

मसीही लोगों की उदारता से ट्रुथ फ़ॉर टुडे वर्ल्ड मिशन स्कूल बिना कोई कीमत लिए ये पुस्तकें आपको उपलज़्ध करवा सका है। अपनी mailing list को अपडेट करने के लिए हमें आपसे निज़्न जानकारी चाहिए।

यह पुष्टि करने के लिए कि आपकी जानकारी अभी भी सही है, कृपया हमें साल में कम से कम एक बार अवश्य लिखें कि ज़्या आपको यह सामग्री लगातार सही पते पर मिल रही है और आपके लिए कैसे सहायक हो रही है। आपकी सेवकाई में परमेश्वर आपको आशीष दे।

एक पर टिक करें: ☐ पुरुष ☐ स्त्री

(नोट: सज़्भव हो तो पता अंग्रेज़ी के बड़े अक्षरों में लिखें)

नाम: ____________________

पूरा पता: ____________________

____

____________________ PIN ________

पुराना पता (पता बदलने की स्थिति में): ____________________

____

____

____________________ PIN ________

ई-मेल पता: ____________________

कलीसिया का नाम: ____________________

स्थान: ____________________

प्रचारक का नाम: ____________________

जिस मण्डली में आप आराधना करते हैं, वहां आपकी सेवा ज़्या है ?

☐ प्रचारक ☐ सदस्य

☐ बाइबल ज़्लास टीचर ☐ सदस्यता नहीं

ज़्या आपको ट्रुथ फ़ॉर टुडे वर्ल्ड मिशन स्कूल का साहित्य लगातार मिल रहा है ? (एक पर टिक करें):

☐ नहीं

☐ हां, डाक से

☐ हां, श्री ____________ के पास से।

आप किस भाषा में पुस्तकें पाना चाहेंगे ? (केवल एक ही टिक करें):

☐ हिन्दी ☐ तमिल ☐ तेलुगू ☐ अंग्रेज़ी

आप इस सामग्री का इस्तेमाल कैसे करते हैं/करेंगे ? ____________________

____

यदि आप ऐसे व्यज़्तियों को जानते हों जो इस सामग्री को लगातार प्राप्त करना चाहते हैं, तो कृपया इस फार्म की कापी करवाकर उनके नाम से यह फार्म Truth for Today, P.O. Box 44, Chandigarh - 160017 के पते पर भेज दें।